एस. एस. जैन सुबोध महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
एयरपोर्ट रोड, सांगानेर, जयपुर

सत्र– 2020–2021

पृष्ठपोषण–प्रपत्र

पृष्ठपोषण-प्रपत्र (शिक्षक)

नाम :– .....

पिता का नाम :– .....

पाठ्यक्रम :– .....

क्र.स.	कथन	सहमत	आंशिक सहमत	असहमत
1	पाठ्यक्रम, शिक्षण और विषयों के उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम है।			
2	पाठ्यक्रम सैांन्तिक ज्ञान व स्वयं की समझ के साथ–साथ व्यावहारिक ज्ञान, अनुभव और कौशल आधारित दक्षता विकसित करने में उपयोगी है।			
3	महाविद्यालय में संचालित समस्त कोर्स के पाठ्यक्रम समाज की मांग और जरूरतों के अनुसार बालकों को आत्मनिर्भर समाज बनाने में मदद करता है।			
4	पाठ्यक्रम छात्र केन्द्रित होने के साथ–साथ छात्राध्यापिकाओं के संज्ञानात्मक, भावात्मक तथा क्रियात्मक पहलुओं का समावेश कर तर्क, निर्णय क्षमता तथा समस्या सुलझाने की क्षमता विकसित करने में उपयोगी है।			
5	पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्राध्यापिकाओं में अनुसंधानात्मक ,नवाचार , सकारात्मक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होता है।			
6	पाठ्यक्रम छात्राध्यापिकाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों और नैतिकता के विकास में उपयोगी है।			
7	पाठ्यक्रम छात्राध्यापिकाओं को स्वावलम्बी बनाने के साथ–साथ स्व–मूल्यांकन पर आधारित है।			
8	EPC I, II,III.IV छात्राध्यापिकाओं के सर्वांगीण विकास, रचनात्मक क्षमता ,कल्पना शक्ति, तथा प्रत्यक्षीकरण जैसी मानसिक योग्यताओं के विकास पर आधारित है।			

एस. एस. जैन सुबोध महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
एयरपोर्ट रोड, सांगानेर, जयपुर

सत्र– 2020–2021

पृष्ठपोषण-प्रपत्र

(विद्यार्थी)

नाम .....

पिता का नाम .....

पाठ्यक्रम .....

क्र. सं.	कथन	सहमत	आंशिक सहमत	असहमत
1	पाठ्यक्रम शिक्षा और शिक्षण विधियों और शिक्षाशास्त्र के उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम है।			
2	व्यक्तिगत अंतर के अनुसार मानसिक स्तर और कठिनाई के स्तर को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम की विषय वस्तु को इकट्ठा किया गया है।			
3	पाठ्यक्रम सैद्धांतिक ज्ञानए समझ के साथ.साथ व्यावहारिक ज्ञान, अनुभव और कौशल.आधारित दक्षता पर आधारित है।			
4	पाठ्यक्रम की विषय वस्तु समाज की मांग और जरूरतों के अनुसार और रोजगार के अवसर प्रदान करने में एक आत्मनिर्भर समाज बनाने में मदद करती है।			
5	पाठ्यचर्या में संज्ञानात्मक, भावात्मक और क्रियात्मक पहलुओं को शामिल करके छात्र के शिक्षक में तर्क, निर्णय लेने और समस्या सुलझाने की क्षमता विकसित की जा सकती है।			
6	पाठ्यक्रम के माध्यम से, विद्यार्थियों के शिक्षकों में कई कौशल विकसित करने और नवीन अनुसंधान, नवाचार और अभिव्यक्ति के आधार पर सोच विकसित करने में सहायक है।			
7	पाठ्यक्रम एक आलोचनात्मक दृष्टिकोण पर आधारित है। एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण यह लोकतांत्रिक मूल्यों और नैतिकता के विकास में उपयोगी है।			
8	पाठ्यक्रम को स्वावलंबी बनाने के साथ.साथ स्वमूल्यांकन में भी उपयोगी हैं।			
9	EPC-1,2,3,4 छात्र शिक्षक के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास, सोच, रचना और रचनात्मक क्षमता और क्षमता कल्पना के प्रमुख आयामों के लिए प्रभावी और उपयोगी हैं।			

एस. एस. जैन सुबोध महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
एयरपोर्ट रोड, सांगानेर, जयपुर
सत्र– 2020–2021
पृष्ठपोषण-प्रपत्र
(भूतपूर्व विद्यार्थी)

नाम .....

पिता का नाम .....

पाठ्यक्रम .....

क्र.स.	कथन	सहमत	आंशिक सहमत	असहमत
1	पाठ्यक्रम शिक्षा और शिक्षण विधियों और शिक्षाशास्त्र के उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम है।			
2	पाठ्यक्रम सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक ज्ञान के तहत, स्थायी अनुभव और कौशल दक्षता पर आधारित है,			
3	पाठ्यक्रम की विषय वस्तु समाज की मांग और आवश्यकता के अनुरूप और रोजगार के अवसर प्रदान करने में एक आत्मनिर्भर समाज के निर्माण में मदद करती है।'			
4	पाठ्यक्रम आलोचनात्मक दृष्टिकोण एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित यह लोकतांत्रिक मूल्यों और नैतिकता के विकास में सहायक है।			
5	पाठ्यचर्या को स्वावलंबी बनाने के साथ.साथ स्व.मूल्यांकन में भी उपयोगी हैं।'			
6	EPC 1,2,3,4 छात्र शिक्षक सोच, रचना और रचनात्मक क्षमता, कल्पना शक्ति, प्रभावी निर्णय क्षमता और कौशल आधारित ज्ञान के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के प्रमुख आयामों के लिए प्रभावी और उपयोगी हैं '			
7	पाठ्यक्रम के उद्देश्य समाज की मांगों और मूल्यों के अनुसार निर्धारित किए गए हैं।'			
8	पाठ्यक्रम उच्च अध्ययन और वृत्तिक क्षमता हासिल करने के लिए उपयोगी है			

एस. एस. जैन सुबोध महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
एयरपोर्ट रोड, सांगानेर, जयपुर
सत्र– 2020–2021
प्राधानाचार्य पृष्ठपोषण-प्रपत्र

प्रधानाचार्य का नाम .....

विद्यालय का नाम .....

क्र. स.	कथन	सहमत	आंशिक सहमत	असहमत
1	इंटर्नशिप में आने वाली प्रशिक्षणार्थियों द्वारा किये जाने वाला शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम विद्यालय के लिए उपयोगी सिद्ध हो रहा है।			
2	प्रशिक्षणार्थियों का विषय वस्तु पर पूर्ण अधिकार है, जिससे छात्र व छात्राओं का अधिगम प्रभावी व स्थायी होता है।			
3	प्रशिक्षणार्थियों द्वारा व्यवहारिक व सैद्धांतिक रूप से छात्र व छात्राओं में व्यवहारगत परिवर्तन लाने के लिए सफल प्रयास किया जाता है।			
4	प्रशिक्षणार्थी विद्यालय शिक्षण के अंतर्गत अधिगम सामग्री (TLM) का उपयोग बालकों के व्यावहारिक ज्ञान अभिवृद्धि हेतु करते हैं।			
5	प्रशिक्षणार्थियों द्वारा किया जाने वाला शिक्षण कार्य बालकों तथा विद्यालय के शैक्षिक पर्यावरण हेतु प्रभावी कदम है।			
6	प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा समुचित शिक्षण अभ्यास के माध्यम से छात्र, छात्राओं की रूचि, जिज्ञासा को विकसित कर शैक्षिक उद्देश्यों के अनुरूप प्रभावी ढंग से अधिगम कार्य करने का प्रयास किया जाता है।			
7	इंटर्नशिप से विद्यालय में छात्र–छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि व मूल्यांकन स्तर में गुणवत्ता पूर्ण परिवर्तन व सुधार पाया गया है।			
8	इंटर्नशिप के दौरान छात्र व छात्राओं की पठन, लेखन व भाषाई व्याकरणीय अशुद्धियों में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा सुधार का प्रयास किया जाता है।			